

विश्व इतिहास के प्रमुख युद्ध कब और किसके बीच हुए

[S samanyagyan.com/hindi/gk-major-wars-in-world-history](http://samanyagyan.com/hindi/gk-major-wars-in-world-history)

विश्व के प्रमुख युद्धों के नाम, कब और किसके बीच हुए (Important Wars of World History in Hindi)

यहां पर आपको विश्व के इतिहास में हुए प्रमुख युद्धों के नाम, किस वर्ष में हुए, किस-किस के बीच हुए व उसके परिणाम के बारे में सामान्य जानकारी दे रहे हैं। इतिहास की परीक्षा में विश्व के प्रमुख युद्धों, कब और किसके बीच हुए के आधार पर ज्यादातर प्रश्न पूछे जाते हैं, इसलिए यह पोस्ट आपकी सभी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे:- एसएससी, बैंक, शिक्षक, टीईटी, कैट, यूपीएससी, अन्य सरकारी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आइये जानते हैं विश्व के इतिहास में कौन-2 से प्रमुख युद्ध कब और किसके बीच हुए तथा उसके परिणाम क्या रहे:-

विश्व के इतिहास के प्रमुख युद्ध कब और किसके बीच हुए की सूची:

समय	युद्ध का नाम	किस-किस के बीच हुए
490 ई.	मैराथन का युद्ध	ईरानियों एवं यूनानियों के बीच युद्ध हुआ।
यह युद्ध 490 ई.पू. में यूनान व फारस के बीच मैराथन के मैदान में हुआ था। डेरियस फारस का राजा था। वह अत्यंत पराक्रमी था। पश्चिम में इजियन सागर से लेकर, पूर्व में सिंधु नदी तक, व उत्तर में सिथियन के मैदानों से लेकर, दक्षिण में मिस्र की नील नदी तक उसके राज्य का विस्तार था।		
1066 ई.	हेस्टिंग्स का युद्ध	नारमैंडी के ड्यूक विलियम तथा इंग्लैंड के राजा हेराल्ड द्वितीय के बीच युद्ध हुआ।
हेस्टिंग्स की लड़ाई 14 अक्टूबर 1066 को इंग्लैंड की नॉर्मन विजय की शुरुआत करते हुए, विलियम के नॉर्मन-फ्रांसीसी सेना, नॉर्मंडी के ड्यूक, और एंग्लो-सैक्सन राजा हेरोल्ड गोडविंसन के बीच एक अंग्रेजी सेना के बीच लड़ी गई थी। लड़ाई की पृष्ठभूमि जनवरी 1066 में निःसंतान राजा एडवर्ड द कन्फेसर की मृत्यु थी, जिसने कई दावेदारों के बीच अपने सिंहासन के लिए उत्तराधिकार संघर्ष स्थापित किया। एडवर्ड की मृत्यु के तुरंत बाद हेरोल्ड को राजा का ताज पहनाया गया था, लेकिन विलियम, उनके अपने भाई टॉस्टिग और नॉर्वे के राजा हेराल्ड हार्डडा (नॉर्वे के हेरोल्ड III) द्वारा आक्रमणों का सामना करना पड़ा।		
1346 ई.	शतवर्षीय युद्ध	अंग्रेजों एवं फ्रांसीसियों के बीच युद्ध हुआ।

इतिहासकारों ने यूरोपीय संघर्षों में सबसे लंबे समय तक सैन्य संघर्ष का निर्माण करते हुए, इन संघर्षों को शामिल करने के लिए “हंड्रेड इयर्स वॉर” शब्द को ऐतिहासिक कालखंड के रूप में अपनाया। युद्ध को तीन चरणों में विभाजित करना आम है, ट्रेजों द्वारा अलग किया गया: एडवर्डियन वॉर (1337–1360), कैरोलीन वॉर (1369–1389), और लैंकास्ट्रियन वॉर (1415-1453)। यद्यपि प्रत्येक पक्ष ने कई सहयोगियों को युद्ध में आकर्षित किया, लेकिन अंत में, हाउस ऑफ वलॉइस ने फ्रांसीसी सिंहासन को बरकरार रखा।

1455-
1485

गुलाबों को युद्ध लैंकेस्टर और यॉर्क शायर के बीच युद्ध हुआ।

ई.

“वार्स ऑफ़ द रोज़ेज़” नाम का तात्पर्य एक ही शाही घराने की दो प्रतिद्वंद्वी शाखाओं, यॉर्क के व्हाइट रोज़ और लैंकेस्टर के रेड रोज़ से जुड़े हेराल्ड बैज से है। 19 वीं शताब्दी में सर वाल्टर स्कॉट द्वारा एनी ऑफ़ जिएरस्टीन के प्रकाशन के बाद 19 वीं शताब्दी में रोजेज के युद्ध आम उपयोग में आए। यॉर्किश्ट गुट ने संघर्ष में शुरुआती दौर से सफेद गुलाब के प्रतीक का इस्तेमाल किया था, लेकिन 1485 में बोसवर्थ के युद्ध में हेनरी ट्यूडर की जीत के बाद ही लंकेस्ट्रियन लाल गुलाब पेश किया गया था।

1585-
1604ई.

आंग्ल-स्पेन युद्ध अंग्रेजों एवं स्पेन के बीच युद्ध हुआ।

स्पेन और इंग्लैंड के राज्यों के बीच एक आंतरायिक संघर्ष था जिसे कभी औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया था। 1585 में इंग्लैंड के सैन्य अभियान के साथ शुरु हुआ था, तब रॉबर्ट हडबर्ग शासन के राज्य जनरल के प्रतिरोध के समर्थन में रॉबर्ट डुडले, अर्ल ऑफ़ लीसेस्टर की कमान में स्पेनिश नीदरलैंड था। अंग्रेजों ने 1587 में कादिज़ पर जीत हासिल की और 1588 में स्पेनिश अरमाडा को फिर से हासिल किया, लेकिन फिर 1589 में अंग्रेजी आर्मडा में भारी नुकसान हुआ। नीदरलैंड, फ्रांस और आयरलैंड में अभियानों के दौरान 17 वीं शताब्दी के मोड़ के आसपास युद्ध गतिरोध बन गया। यह लंदन की संधि के साथ अंत में लाया गया, 1604 में स्पेन के नए राजा, फिलिप III के प्रतिनिधियों और इंग्लैंड के नए राजा, जेम्स आई। इंग्लैंड और स्पेन के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई, जो स्पेन के नीदरलैंड में अपने सैन्य हस्तक्षेप को रोकने के लिए सहमत हुए।

25
अप्रैल
1607
ई.

जिब्राल्टर बे का युद्ध डचों तथा स्पेन एवं पुर्तगाल के बीच युद्ध हुआ।

जिब्राल्टर की नौसेना लड़ाई 25 अप्रैल 1607 को हुई, जब अस्सी साल के युद्ध के दौरान, एक डच बेड़े ने आश्चर्यचकित किया था। स्पेनिश बेड़े का नेतृत्व डॉन जुआन अल्वारेज़ डे एविला ने किया था। स्पेनिश प्रमुख सैन ऑगस्टिन की कमान डॉन जुआन के बेटे द्वारा की गई थी। अन्य जहाज नुस्त्रा सनोरा डे ला वेगा और माद्रे डी डीआईओएस थे। लड़ाई के परिणामस्वरूप 12 साल का संघर्ष हुआ जिसमें डच गणराज्य ने स्पेनिश क्राउन द्वारा वास्तविक मान्यता प्राप्त की।

1756-
1763

सप्तवर्षीय युद्ध ब्रिटेन एवं प्रशिया तथा ऑस्ट्रिया एवं फ्रांस के बीच युद्ध हुआ।

ई.

सप्तवर्षीय युद्ध एक विश्वयुद्ध था जो 1754 तथा 1763 के बीच लड़ा गया। इसमें 1756 से 1763 तक की सात वर्ष अवधि में युद्ध की तीव्रता अधिक थी। इसमें उस समय की प्रमुख राजनीतिक तथा सामरिक रूप से शक्तिशाली देश शामिल थे। इसका प्रभाव योरप, उत्तरी अमेरिका, केंद्रीय अमेरिका, पश्चिमी अफ्रीकी समुद्रतट, भारत तथा फिलीपींस पर पड़ा। भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में इसे तृतीय कर्नाटक युद्ध (1757-63) कहते हैं। विश्व के दूसरे क्षेत्रों में इसे 'द फ्रेंच ऐण्ड इण्डियन वार' (उत्तरी अमेरिका, 1754-63); मॉमेरियन वार (स्वीडेन तथा प्रुसिया, 1757-62); तृतीय सिलेसियन युद्ध (प्रुसिया तथा आस्ट्रिया, 1756-63) आदि के नाम से जाना जाता है।

1775
ई.

बंकर हिल का युद्ध अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई थी।

बंकर हिल की लड़ाई 17 जून, 1775 को बोस्टन के पास मैसाचुसेट्स के चार्ल्सटन प्रायद्वीप में हुई थी, हालांकि अधिकांश लड़ाई पास के ब्रीड हिल पर हुई थी। यह बोस्टन की घेराबंदी के दौरान था, जो ऐतिहासिक अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध (1775 - 1783) के शुरुआती चरणों के दौरान हुआ था। इस विशेष लड़ाई के लिए अग्रणी कारक अमेरिकियों को खुफिया जानकारी मिली थी कि ब्रिटिश सैनिक बोस्टन शहर और उसके बंदरगाहों पर नियंत्रण रखने की कोशिश कर रहे थे। ये बंदरगाह ब्रिटिशों के लिए महत्वपूर्ण थे, क्योंकि उनके जहाज सुदृढीकरण सैनिकों और आपूर्ति में ला सकते थे। ब्रिटिश एक रणनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए ब्रीड हिल और बंकर हिल पर कब्जा करने का लक्ष्य बना रहे थे, हालांकि अमेरिकी सेनाओं का इरादा इन पहाड़ियों को खड़ा करने और उनका बचाव करने का था।

1777
ई.

सरतोगा का युद्ध अमेरिकियों एवं अंग्रेजों के बीच युद्ध हुआ।

सरतोगा का युद्ध सितंबर और अक्टूबर, 1777 में अमेरिकी क्रांति के दूसरे वर्ष के दौरान हुआ था। इसमें दो महत्वपूर्ण लड़ाइयाँ शामिल थीं, अठारह दिन अलग-अलग लड़े, और महाद्वीपीय सेना के लिए एक निर्णायक जीत और क्रांतिकारी युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

1798 ई.

पिरामिड का युद्ध

मिस्र के शासक ममेलुक एवं नेपोलियन के बीच युद्ध हुआ।

पिरामिडों की लड़ाई, जिसे एम्बाब की लड़ाई के रूप में भी जाना जाता है, 21 जुलाई 1798 को मिस्र के फ्रांसीसी आक्रमण के दौरान लड़ी गई एक प्रमुख लड़ाई थी। नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में फ्रांसीसी सेना ने स्थानीय मामलुक शासकों की सेना के खिलाफ एक निणायक जीत हासिल की, जो मिस्र में स्थित लगभग पूरी तुर्क सेना का सफाया कर दिया। यह वह लड़ाई थी जहाँ नेपोलियन ने डिवीजनल स्क्वायर टैक्टिक को बड़े प्रभाव में रखा। इस लड़ाई को द बैटल ऑफ चोब्राकिट के नाम से भी जाना गया है।

1798 ई.

नील नदी का युद्ध

ब्रिटेन एवं फ्रांस के बीच युद्ध हुआ।

नील की लड़ाई ब्रिटिश शाही नौसेना और फ्रांसीसी गणराज्य की नौसेना के बीच 1 से 17 अगस्त की 1 से 3 अगस्त तक मिस्र के नील डेल्टा से दूर भूमध्य तट पर अबूकिर बे में लड़ी गई एक प्रमुख नौसैनिक युद्ध थी। यह लड़ाई थी एक नौसैनिक अभियान का चरमोत्कर्ष जो युद्ध से पिछले तीन महीनों के दौरान भूमध्यसागरीय क्षेत्र में व्याप्त थी, एक बड़े फ्रांसीसी काफिले के रूप में टॉलोन से अलेक्जेंड्रिया तक जनरल नेपोलियन बोनापार्ट के नेतृत्व में एक अभियान चलाया गया। ब्रिटिश बेड़े का नेतृत्व रियर-एडमिरल सर होरेशियो नेल्सन ने किया था; उन्होंने वाइस-एडमिरल फ्रांस्वा-पॉल ब्रूइस डी'गैलियर्स के तहत निणायक रूप से फ्रांसीसी को हराया।

1805 ई.

ट्रफैलगर का युद्ध

ब्रिटेन एवं फ्रांस के बीच युद्ध हुआ।

ट्रफैलगर का युद्ध ब्रिटिश नौसेना का फ्रांसिसी और स्पेनी मिलीजुली नौसेना के एक आक्रामक बेड़े के साथ 21 अक्टूबर 1805 में लड़ा गया एक समुद्री युद्ध था। नेपोलियन फ्रांस का सम्राट बनकर ही संतुष्ट नहीं हुआ वह समस्त विश्व को जीतने की योजना बनाने लगा। नेपोलियन की विश्व विजय योजना में बाधा उत्पन्न करने वाला मुख्य देश इंग्लैंड था। अब इंग्लैंड भी फ्रांस को अपना शत्रु मानने लगा था क्योंकि वह जानता था कि फ्रांस ही एक ऐसा राज्य है जो उसे चुनौती दे सकता है। अतः इंग्लैंड के प्रधानमंत्री पिट ने 1805 ईसवी में फ्रांस के विरुद्ध यूरोपीय देशों का एक तृतीय गुट खड़ा कर दिया था।

1803-1815 ई.

नेपोलियन का युद्ध

नेपोलियन प्रथम एवं यूरोपीय देशों के बीच युद्ध हुआ।

नेपोलियन युद्धों (1803–1815) फ्रांसीसी साम्राज्य और उसके सहयोगियों की अगुवाई करने वाले प्रमुख संघर्षों की एक श्रृंखला थी, जिसका नेतृत्व नेपोलियन ने किया था, विभिन्न गठबंधन में यूरोपीय शक्तियों के उतार-चढ़ाव वाले सरणी के खिलाफ, यूनाइटेड किंगडम द्वारा वित्तपोषित और नेतृत्व किया गया था। इसने यूरोप के अधिकांश हिस्सों पर फ्रांसीसी वर्चस्व की एक संक्षिप्त अवधि का उत्पादन किया। फ्रांसीसी क्रांति और इसके परिणामी संघर्ष से जुड़े अनसुलझे विवादों से उपजे युद्ध। युद्धों को अक्सर पांच संघर्षों में वर्गीकृत किया जाता है, प्रत्येक को नेपोलियन से लड़ने वाले गठबंधन के बाद कहा जाता है: तीसरा गठबंधन (1805), चौथा (1806–07), पांचवां (1809), छठा (1813-14) और सातवां। (1815)

1815
ई.

वाटरलू का युद्ध

वेलिंगटन एवं बलुचर की संयुक्त सेनाओं एवं नेपोलियन प्रथम के बीच, इस युद्ध के बाद ही नेपोलियन को बंदी बना लिया गया तथा सेंट हेलेना द्वीप निर्वासित कर दिया गया।

वाटरलू का युद्ध 18 जून 1815 में लड़ा गया था। नेपोलियन का ये अन्तिम युद्ध था एक तरफ फ्रांस था तो दूसरी तरफ ब्रिटेन, रूस, प्रशा, आस्ट्रिया, हंगरी की सेना थी। युद्ध में हारने के बाद नेपोलियन ने आत्मसर्पण कर दिया था। मित्र राष्ट्रों ने उसे कैदी के रूप में सेंट हेलेना नामक टापू पर भेज दिया जहाँ 52 वर्षों की आयु में 1821 ई. में उसकी मृत्यु हो गई।

1853-
1856
ई.

क्रीमिया का युद्ध

ब्रिटेन, फ्रांस, सार्डिना एवं तुर्की तथा रूस के बीच युद्ध हुआ।

क्रीमिया का युद्ध (जुलाई, 1853 – सितंबर, 1855) तक काला सागर के आसपास चला युद्ध था, जिसमें फ्रांस, ब्रिटेन, सारडीनिया, तुर्की ने एक तरफ़ तथा रूस ने दूसरी तरफ़ से लड़ा था। 'क्रीमिया की लड़ाई' को इतिहास के सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण तथा अनिर्णायक युद्धों में से एक माना जाता है। युद्ध का कारण स्लाववादी राष्ट्रियता की भावना थी। इसके अतिरिक्त दूसरे तरफ़ तुर्की के धार्मिक अत्याचार भी कारण बने, किंतु बेहद खून खराबे के बाद भी नतीजा कुछ भी नहीं निकला।

1839-
1842
ई.

अफीम युद्ध

ब्रिटेन और चीन के बीच अफीम के आयात को लेकर युद्ध हुआ।

उन्नासवीं सदी के मध्य में चीन और मुख्यतः ब्रिटेन के बीच लड़े गये दो युद्धों को अफ़ीम युद्ध कहते हैं। उन्नीसवीं शताब्दी में लम्बे समय से चीन (चिंग राजवंश) और ब्रिटेन के बीच चल रहे व्यापार विवादों की चरमावस्था में पहुचने के कारण हुए। प्रथम युद्ध 1839 से 1842 तक चला और दूसरा 1856 से 1860 तक। दूसरी बार फ़्रांस भी ब्रिटेन के साथ-साथ लड़ा। दोनों ही युद्धों में चीन की पराजय हुई और चीनी शासन को अफ़ीम का अवैध व्यापार सहना पड़ा। चीन को नान्जिन्ग की सन्धि तथा तियान्जिन की सन्धि करनी पड़ी।

1898 ई. **स्पेन-अमेरिका युद्ध** स्पेन एवं अमेरिका के बीच युद्ध हुआ।

स्पैनिश-अमेरिकी युद्ध 1898 में स्पेन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक सशस्त्र संघर्ष था। क्यूबा में हवाना हार्बर में यूएसएस मेन के आंतरिक विस्फोट के बाद शत्रुता शुरू हुई, स्वतंत्रता के क्यूबा युद्ध में अमेरिकी हस्तक्षेप के कारण। युद्ध के कारण कैरेबियाई क्षेत्र में अमेरिका प्रमुख हो गया, और इसके परिणामस्वरूप स्पेन के प्रशांत संपत्ति का अमेरिकी अधिग्रहण हो गया। जिसके कारण फिलीपीन क्रांति में अमेरिकी भागीदारी और अंततः फिलीपीन-अमेरिकी युद्ध हुआ।

1904-05 ई. **रूस-जापान युद्ध** रूस एवं जापान के बीच युद्ध हुआ।

रूस तथा जापान के मध्य 1904 -1905 के दौरान लड़ा गया था। इसमें जापान की विजय हुई थी जिसके फलस्वरूप जापान को मंचूरिया तथा कोरिया का अधिकार मिला था। इस जीत ने विश्व के सभी प्रेक्षकों को आश्चर्यचकित कर दिया और जापान को विश्वमंच पर लाकर खड़ा कर दिया। इस शर्मनाक हार के परिणामस्वरूप रूस के भ्रष्ट ज़ार सरकार के विरुद्ध असंतोष में भारी वृद्धि हुई। 1905 की रूसी क्रांति का यह एक प्रमुख कारण था।

1912-13 ई. **बाल्कन युद्ध** बाल्कन देशों एवं तुर्की के बीच युद्ध हुआ।

20 वीं शताब्दी की शुरुआत तक, बुल्गारिया, ग्रीस, मोंटेनेग्रो और सर्बिया ने ओटोमन साम्राज्य से स्वतंत्रता हासिल कर ली थी, लेकिन उनकी जातीय आबादी के बड़े तत्व ओटोमन शासन के अधीन रहे। 1912 में, इन देशों ने बाल्कन लीग का गठन किया। प्रथम बाल्कन युद्ध 8 अक्टूबर 1912 को शुरू हुआ, जब लीग के सदस्य राज्यों ने ओटोमन साम्राज्य पर हमला किया, और आठ महीने बाद 30 मई 1913 को लंदन की संधि पर हस्ताक्षर करने के साथ समाप्त हो गया। दूसरा बाल्कन युद्ध 16 जून 1913 को शुरू हुआ, जब बुल्गारिया मैसेडोनिया के अपने नुकसान से असंतुष्ट, अपने पूर्व बाल्कन लीग के सहयोगियों पर हमला किया।

1936-
39 ई.

स्पेन का गृहयुद्ध

स्पेन के लोगों के बीच युद्ध हुआ।

स्पेन का गृहयुद्ध, 1936 से 1939 तक चला। यह युद्ध स्पेन के रिपब्लिकनों और राष्ट्रवादियों के बीच हुआ। इसे प्रायः लोकतन्त्र तथा फासीवाद के बीच युद्ध माना जाता है किन्तु अनेक इतिहासकार मानते हैं कि यह युद्ध वस्तुतः वामपंथी क्रांतिकारियों एवं दक्षिणपन्थी प्रतिक्रान्तिकारियों के बीच हुआ था। इस युद्ध में अन्ततः राष्ट्रवादियों की विजय हुई और उसके पश्चात फ्रैंकों अगले 36 वर्षों तक (1975 में अपनी मृत्यु तक) स्पेन का शासक बना रहा।

1956
ई.

स्वेज नहर का युद्ध

मिस्र तथा फ्रांस, इजरायल एवं ब्रिटेन के बीच युद्ध हुआ।

मिस्र के तत्कालीन राष्ट्रपति कर्नल नासिर द्वारा स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण करने के बाद सन् 1956 में स्वेज नहर का युद्ध हुआ था। इस युद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस और इजरायल ने संयुक्त रूप से मिस्र पर आक्रमण कर दिया। संयुक्त राष्ट्र संघ के दबाव की वजह से आक्रमक सेनाओं को वहां से हटना पड़ा था।

1957-
1975
ई.

वियतनाम युद्ध

अमेरिका एवं वियतनाम के बीच, इस युद्ध में अमेरिका ने 'एजेंट ऑरेंज' (डायोक्सीन) नामक एक रसायन का प्रयोग किया था।

वियतनाम युद्ध में अमेरिका की सक्रिय भागीदारी 1954 में शुरू हुई। हो की साम्यवादी सेना का उत्तरी वियतनाम पर कब्जा होने के बाद उत्तरी और दक्षिणी भाग की सेनाओं के बीच युद्ध शुरू हो गया। मई 1954 में उनके बीच निणायक युद्ध हुआ। उसमें वियत मिन्ह सेना जीत गई। युद्ध में फ्रांस की हार के साथ ही वियतनाम में फ्रांस के औपनिवेशिक शासन जुलाई 1954 में जिनीवा कॉन्फ्रेंस में एक संधि हुई जिसमें वियतनाम को दो भागों में बांट दिया गया। हो के कब्जे में उत्तरी वियतनाम रहा जबकि बाओ के कब्जे में दक्षिणी वियतनाम। संधि में प्रावधान था कि देश का फिर से एकीकरण के लिए 1956 में चुनाव हुआ।

1954
ई.

कोरिया का युद्ध

उत्तरी कोरिया एवं दक्षिणी कोरिया के बीच युद्ध हुआ।

कोरियाई युद्ध(1950-53)का प्रारंभ 25 जून, 1950 को उत्तरी कोरिया से दक्षिणी कोरिया पर आक्रमण के साथ हुआ। यह शीत युद्ध काल में लड़ा गया सबसे पहला और सबसे बड़ा संघर्ष था। एक तरफ उत्तर कोरिया था जिसका समर्थन कम्युनिस्ट सोवियत संघ तथा साम्यवादी चीन कर रहे थे, दूसरी तरफ दक्षिणी कोरिया था जिसकी रक्षा अमेरिका कर रहा था। युद्ध अन्त में बिना निर्णय ही समाप्त हुआ परन्तु जन क्षति तथा तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया था।

1956 एवं 1973 ई.	अरब-इजरायल युद्ध	प्रथम अरब-इजरायल युद्ध 1956 में तथा दूसरा अरब-इजरायल युद्ध 1973 में हुआ। इजरायल ने तीन अरब देशों-जॉर्डन, सीरिया एवं मिस्र को पराजित किया तथा पश्चिमी किनारे एवं गोलन पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया।
1962 ई.	भारत-चीन युद्ध	भारत एवं चीन के बीच, भारत पराजित हुआ। भारत-चीन युद्ध कठोर परिस्थितियों में हुई लड़ाई के लिए उल्लेखनीय है। इस युद्ध में ज्यादातर लड़ाई 4250 मीटर (14,000 फीट) से अधिक ऊंचाई पर लड़ी गयी। इस प्रकार की परिस्थिति ने दोनों पक्षों के लिए रसद और अन्य लोजिस्टिक समस्याएँ प्रस्तुत की। इस युद्ध में चीनी और भारतीय दोनों पक्ष द्वारा नौसेना या वायु सेना का उपयोग नहीं किया गया था। विवादित हिमालय सीमा युद्ध के लिए एक मुख्य कारण था।
1965 एवं 1971 ई.	भारत-पाकिस्तान युद्ध	भारत एवं पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ। 1965 में कच्छ के रण में पाकिस्तान ने अपनी झड़प शुरू की थी और इस ऑपरेशन का नाम 'डेजर्ट हॉक' रखा था। भारत ने यह मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाया। इसे भारत की कमजोरी समझते हुए पाकिस्तान ने कश्मीर में उपद्रव मचाने की कोशिश की। 5 अगस्त 1965 को पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (LOC) पर सेना को तैनात कर दिया था। 6 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश नाम के नए देश के नाम से स्वतंत्र घोषित किया गया। दोनों ही देश संघर्ष विराम के लिए सहमत हुए और 1972 में जे.ए.भुट्टो पाकिस्तान के नेता के तौर पर उभरे और मुजीबुर रहमान बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति बने।
1967 ई.	छः दिवसीय युद्ध	इजरायल तथा मिस्र, सीरिया और जॉर्डन के बीच, इजरायल ने सिनाय प्रायद्वीप, गाजापट्टी तथा सीरिया की गोलन चोटियों पर कब्जा कर लिया।
1973 ई. ई.	योम किप्पर युद्ध	इजरायल तथा मिस्र और सीरिया के बीच युद्ध हुआ।

योम किप्पुर युद्ध, रमजान युद्ध या अक्टूबर युद्ध को 1973 के अरब-इजरायल युद्ध के रूप में भी जाना जाता है, 6 से 25 अक्टूबर 1973 तक, मिस्र के खिलाफ मिस्र और सीरिया के नेतृत्व में अरब राज्यों के गठबंधन द्वारा लड़ा गया था। यह युद्ध ज्यादातर सिनाई और गोलान में हुआ था – 1967 के छह-दिवसीय युद्ध के दौरान इजराइल द्वारा कब्जा कर लिया गया था – अफ्रीकी मिस्र और उत्तरी इजराइल में कुछ लड़ाई के साथ। मिस्र का प्रारंभिक युद्ध उद्देश्य स्वेज नहर के पूर्वी तट पर एक पैर जमाने के लिए अपनी सेना का उपयोग करना था और शेष सिनाई की वापसी के लिए बातचीत करने के लिए इसका उपयोग करना था।

1980-1988 **ईरान-इराक युद्ध** इराक एवं ईरान के बीच युद्ध हुआ।

ईरान और इराक के बीच युद्ध सन् 1980-88 के बीच लड़ा गया। यह युद्ध अनिर्णीत खत्म हुआ था। इस युद्ध का मुख्य कारण सीमा-विवाद था। 90 के दशक में इराक के साथ सीमा विवाद को लेकर जो सन्धि हुई थी उससे इराक सन्तुष्ट नहीं था। उस समय इरान राजनैतिक रूप से कमजोर था क्योंकि देश में इस्लामिक क्रांति अभी-अभी हुई थी। लेबनॉन में हिज़बोल्ला का जन्म इसके सबसे खतरनाक परिणामों में से एक था इस युद्ध में यूरोपीय देशों ने खुद को युद्ध से अलग बताया पर हथियारों के रूप में उन्होंने इराक की मदद की।

1991 ई. **खाड़ी युद्ध** इराक के द्वारा कुवैत पर आधिपत्य किए जाने के पश्चात शुरू हुआ। अमेरिका सहित 39 देशों के सैन्य गठबंधन के इराक को पराजित कर दिया।

खाड़ी युद्ध (जिसे प्रथम खाड़ी युद्ध के रूप में भी जाना जाता है) संयुक्त राज्य के नेतृत्व में चौत्तीस राष्ट्रों से संयुक्त राष्ट्र के अधिकृत गठबंधन बल इराक के खिलाफ छेड़ा गया युद्ध था, इस युद्ध का उद्देश्य 2 अगस्त 1990 को हुए आक्रमण और अनुबंध के बाद इराकी बलों को कुवैत से बाहर निकालना था। इस युद्ध को (इराकी नेता सद्दाम हुसैन के द्वारा) सभी युद्धों की मां भी कहा गया है और इसे सैन्य अनुक्रिया द्वारा सामान्यतया डेजर्ट स्टॉर्म, या ईराक युद्ध के नाम से भी जाना जाता है।

2001 ई. **अमेरिका-अफगानिस्तान युद्ध** अफगानिस्तान के बीच, तालिबान का शासन समाप्त हुआ।

अफगानिस्तान अमेरिका के इतिहास का सबसे लंबा युद्ध साबित हुआ है। 2001 में 9/11 हमले के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। लगभग दो दशक तक चले युद्ध में 7000 अमेरिकी सैनिक मारे गए और 50000 से अधिक घायल हुए हैं। अमेरिका पर 156 लाख करोड़ रूपए के कर्ज में अफगान युद्ध के कर्ज की हिस्सेदारी 42 लाख करोड़ रूपए से अधिक है। 2019 पहला वर्ष है जब 9/11 के बाद जन्मा कोई अमेरिकी अफगानिस्तान या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए सेना में जा सकता है।

2003 ई.

द्वितीय खाड़ी युद्ध

अमेरिका एवं इराक के बीच, सद्दाम हुसैन के शासन का अंत हुआ।

इराक पर 2003 का आक्रमण 20 मार्च से 1 मई 2003 तक चला और इराक युद्ध की शुरुआत को संकेत था, जो संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा संचालित ऑपरेशन इराकी स्वतंत्रता (19 मार्च से पहले, इराक में मिशन को "ऑपरेशन एंडरिंग फ्रीडम" कहा जाता था। आक्रमण में 21 दिनों के प्रमुख मुकाबले और संचालन शामिल थे, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया और पोलैंड के सैनिकों की एक संयुक्त सेना ने इराक पर हमला किया और सद्दाम हुसैन की बाथिस्ट सरकार को हटा दिया। आक्रमण चरण में मुख्य रूप से पारंपरिक रूप से लड़ा युद्ध के शामिल था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया और पोलैंड के साथ यूनाइटेड किंगडम की निहित सहायता के साथ अमेरिकी सेनाओं द्वारा बगदाद की इराकी राजधानी पर कब्जा शामिल था।

You just read: Vishv Ke Itihaas Mein Hue Pramukh Yuddhon Ke Naam, Kab Aur Kisake Beech Hue